

प्रपत्र VI

जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा।

(भू-अर्जन शाखा)

प्रारंभिक अधिसूचना

(अधिनियम- 30/2013 की धारा 11 (1) के अधीन)

संख्या- 188(बी0) /भू०अ०, प० सिंहभूम, चाईबासा, दिनांक :- 07.04.2017

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्ता को यह प्रतीत होता है ग्राम- जलडीहा, थाना- कोल्हान, थाना नं०- 296, अंचल- कुमारडुंगी, जिला- पश्चिमी सिंहभूम में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना तांतनगर से मझगॉव पथ के (34.00 कि०मी० से 60.00 कि०मी०) 48वें कि०मी० में पोखरिया नदी पर उच्च स्तरीय सेतु निर्माण हेतु अपेक्षित है, इसलिए राज्य एस०आई०ए० ईकाई द्वारा सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन कराया गया और एक प्रतिवेदन सौंपा गया। सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन प्रतिवेदन का सार-संक्षेप यथा-निम्न है- "सेतु निर्माण के दौरान ज्यादातर लोगों की जमीन का अंश भाग अधिग्रहित किया जायेगा। परियोजना हेतु भू-अर्जन किये जाने की सहमति दी जाती है"। भू-अर्जन के कारण कुल पून्य परिवारों के विस्थापित होने की संभावना है। इस बाध्यकारी विस्थापन का कारण नीचे दिया गया है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्ता अथवा नियम 2 (1) (ख) के तहत नियुक्त पदाधिकारी को प्रशासक के रूप में नियुक्त किए गए हैं। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम- जलडीहा, थाना- कोल्हान, थाना नं०- 296, अंचल- कुमारडुंगी, जिला- पश्चिमी सिंहभूम में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमीवष 0.03 एकड़ है जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है :-

क्र०	खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं०	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं०)			
							उत्तर	दक्षिण	पुरब	पश्चिम
1	20	165	शैयती	दोन	0.01	चन्द्र मोहन तांती, जगमोहन तांती, लाल मोहन तांती पिता- पाण्डु तांती	166	157	166	165
2	20	166	शैयती	दोन	0.02	चन्द्र मोहन तांती, जगमोहन तांती, लाल मोहन तांती पिता- पाण्डु तांती	167	165	166	166
Total-					0.03					

यह अधिसूचना भू-अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013) की धारा- 11 (1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्ता-सह-समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथानिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए अवभूमि खोदने या भू-वेधन-छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यों के संचालन करने हेतु जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा और उनके कर्मचारी को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11(4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नहीं करेगा या ऐसा कोई अंतरण नहीं करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नहीं उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथाउपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60 दिनों) के अन्तर्गत भू-अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियाँ हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा के समक्ष दर्ज की जा सकेंगी।

जिला भू-अर्जन पदाधिकारी
प० सिंहभूम, चाईबासा।

अपर उपायुक्त
प० सिंहभूम, चाईबासा।

प्रपत्र VI
जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा।
(भू-अर्जन शाखा)
प्रारंभिक अधिसूचना
(अधिनियम- 30/2013 की धारा 11 (1) के अधीन)

संख्या- 184(बी0) / भू०अ०, प० सिंहभूम, चाईबासा, दिनांक :- 07.04.2017

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्ता को यह प्रतीत होता है ग्राम- जौरापोसी, थाना- कोल्हान, थाना नं०- 297, अंचल- कुमारडुंगी, जिला- पश्चिमी सिंहभूम में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना तांतनगर से मझगॉव पथ के (34.00 कि०मी० से 60.00 कि०मी०) 48वें कि०मी० में पोखरिया नदी पर उच्च स्तरीय सेतु निर्माण हेतु अपेक्षित है, इसलिए राज्य एस०आई०ए० ईकाई द्वारा सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन कराया गया और एक प्रतिवेदन सौंपा गया। सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन प्रतिवेदन का सार-संक्षेप यथा-निम्न है- "सेतु निर्माण के दौरान ज्यादातर लोगों की जमीन का अंश भाग अधिग्रहित किया जायेगा। परियोजना हेतु भू-अर्जन किये जाने की सहमति दी जाती है"। भू-अर्जन के कारण कुल पून्य परिवारों के विस्थापित होने की संभावना है। इस बाध्यकारी विस्थापन का कारण नीचे दिया गया है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्ता अथवा नियम 2 (1) (ख) के तहत नियुक्त पदाधिकारी को प्रशासक के रूप में नियुक्त किए गए हैं। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम- जौरापोसी, थाना- कोल्हान, थाना नं०- 297, अंचल- कुमारडुंगी, जिला- पश्चिमी सिंहभूम में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमीवष 0.57 एकड़ है जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है :-

क्र०	खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं०	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं०)			
							उत्तर	दक्षिण	पुरब	पश्चिम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	44	34	शैथिली	गोडा	0.05	रूपा हो, मुदु हो, माचिया हो, उदय हो पिता- जेना हो	नदी / 30	31	30	30
2	49	31	शैथिली	गोडा	0.20	सदानन्द नायक पिता- किषनु नायक, राम नायक, लोकन नायक, दुसरू नायक पिता- गोदा नायक, गौतम नायक पिता- रधु नायक	30	34	312/ रास्ता	31
3	51	30	शैथिली	गोडा	0.32	सदानन्द नायक पिता- किषनु नायक	31	35	342/ रास्ता	34
Total Area-					0.57					

यह अधिसूचना भू-अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्षिता अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013) की धारा- 11 (1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्ता-सह-समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथानिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए अवभूमि खोदने या भू-वेधन-छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यों के संचालन करने हेतु जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा और उनके कर्मचारी को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11(4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नहीं करेगा या ऐसा कोई अंतरण नहीं करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नहीं उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथाउपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60 दिनों) के अन्तर्गत भू-अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियाँ हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

जिला भू-अर्जन पदाधिकारी
 प० सिंहभूम, चाईबासा।

अपर उपायुक्त
 प० सिंहभूम, चाईबासा।

